CBSE Class 10 - Hindi A
Sample Paper 05 (2020-21)

Maximum Marks: 80
Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

i. इस प्रश्न-पत्र में दो खंड हैं – खंड – अ और खंड – ब।
ii. खंड-अ में कुल 9 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उप प्रश्न दिए गये है।
iii. खंड-ब में कुल 8 वर्णात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
iv. दिये गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

भाग्यवादी लोग प्रायः कहा करते हैं कि जब भाग्य में नहीं तो सभी परिश्रम व्यर्थ हो जाते हैं। थोड़ी देर के लिए यदि उनकी विचारधारा को ही मान लिया जाए तो भी भाग्य के भरोसे बैठने वाले व्यक्ति की अपेक्षा कर्मशील व्यक्ति ही कहीं अधिक श्रेष्ठ है। कर्म करने के उपरांत यदि असफलता भी मिलती है तो भी व्यक्ति को यह सोचकर विशेष पछतावा नहीं होगा कि उसने प्रयत्न और चेष्टा तो की सफलता का निर्णय परमात्मा के अधीन है।

दूसरी ओर ऐसे लोग जो भाग्य के सहारे बैठे रहते हैं और प्रतीक्षा करते रहते हैं कि अली बाबा की सिम-सिम वाली गुफा का द्वार कब खुलता है, उन्हें जब असफलता का अँधेरा अपने चारों ओर घिरता दिखाई देता है, तब वे प्रायः पछताया करते हैं कि उन्होंने व्यर्थ ही समय क्यों गँवाया। हो सकता था कि उनका परिश्रम और यत्न सफल रहता, किंतु अब बीते समय को लौटाया नहीं जा सकता। इस रत्नगर्भा धरती में हीरे-मणि-माणिक्य का अभाव नहीं है। धरती का विस्तीर्ण अतल गर्भ अनंत धनराशि से भरा पड़ा है। आवश्यकता है, इसके वक्ष को चीरकर उन्हें उगलवा लेने वाले दृढ़ संकल्प और साहस की। धरती की कामधेनु तो उन्हें ही अमृतरस बाँटती है जो लौहकरों से उसका दोहन करते हैं।

I. भाग्यवादी अपनी सफलता का श्रेय किसे देते हैं?
   i. भाग्य को
   ii. परिश्रम को
   iii. कर्मशीलता को
   iv. मेहनत को

II. धरती को रत्नगर्भा क्यों कहा गया है?
   i. क्योंकि ये रत्नगर्भा है
   ii. क्योंकि इसके गर्भ में अनंत रत्न हैं

iii. क्योंकि ये रत्न का उत्पादन करती है
iv. क्योंकि इससे अनेक रत्नों ने जन्म लिया

III. कर्मशील व्यक्ति को पछतावा क्यों नहीं होता है?
i. क्योंकि वह कर्म करना जानता है
ii. क्योंकि उसका मानना है कि कर्म अमूल्य है
iii. क्योंकि उसका मानना है कि उसने प्रयास तो किया
iv. क्योंकि वह भाग्य को अधिक मानता है

IV. असफलता का अँधेरा घिरता देखकर कौन पछताता है?
i. कर्मशील व्यक्ति
ii. भाग्यवादी व्यक्ति
iii. मेहनती व्यक्ति
iv. परिश्रमी व्यक्ति

V. धरती में छिपे रत्नों को कौन निकालकर लाते हैं?
i. कर्मशील व्यक्ति
ii. भाग्यवादी व्यक्ति
iii. आलसी व्यक्ति
iv. इनमें से कोई नहीं

OR

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

भारतवर्ष ने कभी भी भौतिक वस्तुओं के संग्रह को बहुत अधिक महत्त्व नहीं दिया। उसकी दृष्टि में मनुष्य के भीतर जो आंतरिक तत्व स्थिर भाव से बैठा हुआ है, वही चरम और परम है। लोभ-मोह, काम-क्रोध आदि विकार मनुष्य में स्वाभाविक रूप से विद्यमान रहते हैं, पर उन्हें प्रधान शक्ति मान लेना और अपने मन और बुद्धि को उन्हीं के इशारे पर छोड़ देना, बहुत निकृष्ट आचरण है। भारतवर्ष ने उन्हें सदा संयम के बंधन से बाँधकर रखने का प्रयत्न किया है।

इस देश के कोटि-कोटि दरिद्र जनों की हीन अवस्था को सुधारने के लिए अनेक कायदे-कानून बनाए गए। जिन लोगों को इन्हें कार्यांवित करने का काम सौंपा गया वे अपने कर्तव्यों को भूलकर अपनी सुख-सुविधा की ओर ज़्यादा ध्यान देने लगे। वे लक्ष्य की बात भूल गए और लोभ, मोह जैसे विकारों में फँसकर रह गए। आदर्श उनके लिए मज़ाक का विषय बन गया और संयम को दकियानूसी मान लिया गया। परिणाम जो होना था, वह हो रहा है-लोग लोभ और मोह में पड़कर अनर्थ कर रहे हैं, इससे भारतवर्ष के पुराने आदर्श और भी अधिक स्पष्ट रूप से महान और उपयोगी दिखाई देने लगे हैं। अब भी आशा की ज्योति बुझी नहीं है। महान भारतवर्ष को पाने की संभावना बनी हुई है, बनी रहेगी।

I. मन में समाए विकारों को किसके सहारे वश में किया जाता है?
i. संयम के बंधन के सहारे

ii. मन के सहारे

iii. लोभ के सहारे

iv. मोह के सहारे

II. आंतरिक का विलोम होगा -

i. अनान्तरिक

ii. बाह्य

iii. ग्राह्य

iv. भीतरी

III. हमारे देश में चरम और परम किसे माना जाता है ? यह मान्यता पाश्चात्य देशों से किस तरह अलग है?

i. मनुष्य में स्थित ग्राह्य स्थिर भाव

ii. मनुष्य में स्थित बाह्य स्थिर भाव

iii. मनुष्य में स्थित आन्तरिक स्थिर भाव

iv. मनुष्य में स्थित चलायमान भाव

IV. देश में करोड़ों लोग गरीबी में क्यों जी रहे हैं?

i. क्योंकि कोई उनकी ओर ध्यान नहीं देता

ii. क्योंकि वे गरीब रहना चाहते हैं

iii. क्योंकि उनके पास पैसा नहीं है

iv. क्योंकि उनकी दशा सुधारने वाले अपनी सुख सुविधा में लग गए

V. आदर्श एवं संयम को दकियानूसी कौन मान बैठे? इसका क्या परिणाम हुआ?

i. जो लक्ष्य की बात को भूल गए

ii. जो आधुनिक नहीं थे

iii. जो आधुनिक थे

iv. जो पुरातनपंथी थे

2. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**

कितने ही कटुतम काँटे तुम मेरे पथ पर आज बिछाओ,
और अरे चाहे निष्ठुर कर का भी धुंधला दीप बुझाओ।
किंतु नहीं मेरे पग ने पथ पर बढ़कर फिरना सीखा है।
मैंने बस चलना सीखा है।
कहीं छुपा दो मंज़िल मेरी चारों ओर निमिर-घन छाकर,
चाहे उसे राख कर डालो नभ से अंगारे बरसाकर,

पर मानव ने तो पग के नीचे मंज़िल रखना सीखा है।
मैंने बस चलना सीखा है।
कब तक ठहर सकेंगे मेरे सम्मुख ये तूफ़ान भयंकर

कब तक मुझसे लड़ा पाएगा इंद्रराज का वज्र प्रखरतर
मानव की ही अस्थिमात्र से वज्रों ने बनना सीखा है।
मैंने बस चलना सीखा है।

I. मानव के सामने क्या नहीं टिक पाता?
   i. भयानक तूफ़ान
   ii. अदम्य साहस
   iii. निडरता
   iv. संघर्ष

II. साहसी मानव की मंजिल कहाँ रहती है?
   i. उसकी नज़रों के तले।
   ii. उसके पांवों के तले।
   iii. उसके सर के तले।
   iv. आकाश के तले।

III. 'अस्थिमात्र से वज्र बनना' इस पंक्ति से किस कथा की ओर संकेत किया गया है।
   i. अपनी हड्डियों का दान करना।
   ii. दधीचि द्वारा हड्डियाँ दान में देना।
   iii. अस्थि को रखना।
   iv. इनमें से कोई नहीं।

IV. काव्यांश के अनुसार कवि ने क्या सीखा है?
   i. दौड़ना
   ii. भागना
   iii. रुकना
   iv. चलना

V. दधीचि ने अपनी अस्थियाँ किसे दान में दी?
   i. इंद्र को
   ii. स्वयं को
   iii. गुरु को
   iv. मनुष्य को

OR

निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

अहसहाय किसानों की किस्मत को खेतों में, क्या जल में बह जाते देखा है?
क्या खाएँगे? यह सोच निराशा से पागल, बेचारों को नीरव रह जाते देखा है?

देखा है ग्रामों की अनेक रम्भाओं को, जिनकी आभा पर धूल अभी तक छाई है?
रेशमी देह पर जिन अभागिनों की अब तक रेशम क्या, साड़ी सही नहीं चढ़ पाई है।
पर तुम नगरों के लाल, अमीरों के पुतले, क्यों व्यथा भाग्यहीनों की मन में लाओगे,
जलता हो सारा देश, किन्तु, होकर अधीर तुम दौड़-दौड़कर क्यों यह आग बुझाओगे?
चिन्ता हो भी क्यों तुम्हें, गाँव के जलने से, दिल्ली में तो रोटियाँ नहीं कम होती हैं।
धुलता न अश्रु-बूंदों से आँखों से काजल, गालों पर की धूलियाँ नहीं नम होती हैं।
जलते हैं ये गाँव देश के जला करें, आराम नयी दिल्ली अपना कब छोड़ेगी,
या रक्खेगी मरघट में भी रेशमी महल, या आँधी की खाकर चपेट सब छोड़ेगी,
या रक्खेगी मरघट में भी रेशमी महल, या आँधी की खाकर चपेट सब छोड़ेगी।
चल रहे ग्राम-कुंजों में पछिया के झकोर, दिल्ली, लेकिन, ले रही लहर पुरवाई में,
है विकल देश सारा अभाव के तापों से, दिल्ली सुख से सोई है नरम रजाई में।

I. कवि ने असहाय किसानों की किस्मत को किसमें बनते देखा है?
   i. जल में
   ii. खेतों में
   iii. नालों में
   iv. धरा में

II. किसान ने 'रंभाओं' कहकर किसे संबोधित किया है?
   i. शहर की नवयुवतियों को।
   ii. गाँव की नवयुवतियों को।
   iii. शहर के युवाओं को।
   iv. गाँव के युवाओं को।

III. 'दिल्ली सुख से सोई है' - पंक्ति में किसकी ओर संकेत किया गया है?
   i. दिल्लीवालों की ओर।
   ii. गांववालों की ओर।
   iii. शहर वालों की ओर।
   iv. सरकार के रवैये की ओर।

IV. कवि ने किसानों को असहाय क्यों कहा है?
   i. क्योंकि वे साधनहीन हैं।
   ii. क्योंकि वे सुविधा संपन्न हैं।
   iii. क्योंकि वे उन्नत हैं।
   iv. क्योंकि वे प्रतिभाशाली हैं।

V. 'क्यों व्यथा भाग्यहीनों की मन में लाओगे' - पंक्ति में 'भाग्यहीन' किन्हें कहा गया है?
   i. गाँव के किसानों को।

ii. शहर के लोगों को।

iii. दोनों विकल्प सही हैं।

iv. इनमें से कोई नही।

3. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. रचना की दृष्टि से वाक्य के कितने भेद होते हैं ?

a. दो

b. तीन

c. चार

d. एक

ii. सरल वाक्य में एक कर्ता और एक __________ का होना आवश्यक है।

a. सर्वनाम

b. क्रिया

c. विशेषण

d. संज्ञा

iii. संज्ञा उपवाक्य किसका भेद है ?

a. मिश्र वाक्य का

b. विशेषण उपवाक्य का

c. संयुक्त वाक्य का

d. सरल वाक्य का

iv. पिताजी चाय पिएंगे या कॉफ़ी - रचना के आधार पर कौन से प्रकार का वाक्य है ?

a. संयुक्त वाक्य

b. मिश्र वाक्य

c. सरल वाक्य

d. क्रिया विशेषण

v. उसने कहा। वह जयपुर जा रहा है। - वाक्य का उचित मिश्र वाक्य होगा -

a. उसने कहा कि वह कल जयपुर जाएगा।

b. उसने अपने जयपुर जाने के के बारे में कहा।

c. वह कल जयपुर जाएगा उसने ऐसा कहा।

d. उसने कहा था वह कल जयपुर जाएगा।

4. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. वाच्य के कितने प्रकार हैं ?

a. तीन

b. चार

c. एक

d. दो

ii. कर्तृवाच्य में किसकी प्रधानता होती है ?

a. कर्ता की

b. कर्म की

c. भाव की

d. क्रिया की

iii. कर्म की प्रधानता वाला वाच्य होता है -

a. भाववाच्य

b. ये सभी

c. कर्तृवाच्य

d. कर्मवाच्य

iv. वह पैदल नहीं चल सकता - वाक्य में प्रयुक्त वाच्य लिखिए।

a. भाववाच्य

b. कर्मवाच्य

c. क्रियावाच्य

d. कर्तृवाच्य

v. सूचना, विज्ञप्ति आदि में जहाँ कर्ता निश्चित न हो, वहाँ निम्नलिखित में से कौन सा वाच्य होगा -

a. कर्मवाच्य

b. भाववाच्य

c. संज्ञावाच्य

d. कर्तृवाच्य

5. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. वाक्य में प्रयुक्त पदों का व्याकरणिक परिचय देना __________ कहलाता है।

a. अर्थ

b. शब्द

c. भाव

d. पद परिचय

ii. राधा मधुर गीत गाती है। रेखांकित पद का उचित पद परिचय होगा -

a. क्रिया

b. विशेषण

c. संज्ञा

d. काल

iii. वह भावुक व्यक्ति है - रेखांकित पद का उचित पद परिचय होगा -

a. गुणवाचक विशेषण

b. संख्यावाचक विशेषण

c. सार्वनामिक विशेषण

d. परिमाणवाचक विशेषण

iv. हमेशा तेज़ चला करो। रेखांकित पद के लिए उचित परिचय होगा -

a. विस्मयादिबोधक

b. क्रियाविशेषण

c. समुच्चयबोधक

d. संबंधबोधक

v. मैं यह दुःख नहीं सह सकता। रेखांकित पद के लिए उचित परिचय होगा -

a. व्यक्तिवाचक संज्ञा

b. समूहवाचक संज्ञा

c. द्रव्यवाचक संज्ञा

d. भाववाचक संज्ञा

6. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. कहत, नटत, खिझत, मिळत, खिलत, लजियात

भरें भौंन में करत हैं नैनन ही सौं बात।

उपर्युक्त पंक्ति में प्रयुक्त रस कौनसा है ?

a. रौद्र रस

b. वीर रस

c. श्रृंगार रस

d. करुण रस

ii. वीर रस का स्थायी भाव कौनसा है ?

a. क्रोध

b. हास

c. उत्साह

d. शोक

iii. श्रृंगार रस का स्थायी भाव कौनसा है ?

a. प्रसन्नता

b. क्रोध

c. रति

d. विस्मय

iv. विभाव, अनुभाव और संचारी भाव की सहायता से रस रूप में क्या परिवर्तित हो जाते हैं ?

a. व्यभिचारी भाव

b. भाव

c. संचारी भाव

d. स्थायी भाव

v. तुझे विदा कर एकाकी अपमानित - सा रहता हूँ बेटा ?
दो आँसू आ गए समझता हूँ उनसे बहता हूँ बेटा ?
पंक्तियों में प्रयुक्त रस लिखिए।

a. रौद्र रस

b. हास्य रस

c. वीर रस

d. करुण रस

7. **निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

"और सचमुच इंजीनियरिंग के अंतिम वर्ष की पढ़ाई छोड़कर फादर बुल्के संन्यासी होने जब धर्मगुरु के पास गए और कहा कि मैं संन्यास लेना चार तथा एक शर्त रखी (संन्यास लेते समय संन्यास चाहने वाला शर्त रख सकता है कि मैं भारत जाऊँगा।"

"भारत जाने की बात क्यों उठी ?"

“नहीं जानता, बस मन में यह था।"

उनकी शर्त मान ली गई और वह भारत आ गए। पहले 'जिसेट संघ' में दो साल पादरियों के बीच धर्माचार की पढ़ाई की। फिर 9-10 वर्ष दार्जिलिंग में पढ़ते रहे। कलकत्ता (कोलकाता) से बी.ए. किया और फिर इलाहाबाद से एम.ए.।

I. **'जिसेट संघ'** में फादर कितने समय तक रहे?

i. दो महीने

ii. दो वर्ष

iii. दो सप्ताह

iv. दो दिन

II. संन्यास लेते समय उन्होंने भारत जाने की शर्त क्यों रखी?

i. भारतीय सभ्यता और संस्कृति से लगाव

ii. भारत घूमने की इच्छा

iii. भारत में रहने की इच्छा

iv. भारत में शोध करने के लिए

III. संन्यासी बनने से पूर्व फादर बुल्के क्या कर रहे थे?

i. शोध कार्य

ii. नौकरी

iii. पढ़ाई

iv. इंजीनियरिंग की पढ़ाई

IV. फादर ने धर्माचार की शिक्षा कहाँ से ग्रहण की?

i. कलकत्ता

ii. जिसेट संघ

iii. इलाहाबाद

iv. लखनऊ

V. फादर धर्मगुरु के पास क्यों गए थे?

i. इंजीनियरिंग के अंतिम वर्ष के लिए

ii. धर्माचार की शिक्षा लेने के लिए

iii. सन्यास ग्रहण करने के लिए

iv. एम० ए ० की पढ़ाई के लिए

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:

i. हालदार साहब अपने काम के सिलसिले में कितने वर्ष तक उस कस्बे से गुजरते रहे ?

a. चार वर्ष

b. तीन वर्ष

c. दो वर्ष

d. एक वर्ष

ii. 'मानवीय' शब्द में मूल शब्द व प्रत्यय पृथक करें -

a. मानव + ईय

b. मानवी+ य

c. मान+ वीय

d. मा + नवीय

iii. फादर कामिल बुल्के की छवि परम्परागत संन्यासियों से भिन्न थी क्योंकि

a. उन्होंने सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेना जारी रखा

b. उन्होंने अन्य धर्मों के उत्सव -संस्कारों में भाग लिया

c. संन्यासी होने के बावजूद उन्होंने अध्ययन जारी रखा

d. ये सभी

9. निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

माँ ने कहा पानी में झाँककर
अपने चेहरे पर मत रीझना
आग रोटियाँ सेंकने के लिए है
जलने के लिए नहीं
वस्त्र और आभूषण शाब्दिक भ्रमों की तरह

बंधन हैं स्त्री जीवन के
माँ ने कहा लड़की होना
पर लड़की जैसी, दिखाई मत देना।

I. 'शाब्दिक भ्रम' किसके लिए कहा गया है?
   i. शब्दों का भ्रम
   ii. वस्त्र और आभूषण
   iii. स्त्री जीवन के बंधन
   iv. कन्यादान

II. आग किसके लिए है?
   i. जलने के लिए
   ii. जलाने के लिए
   iii. किसी काम के लिए नहीं
   iv. रोटियाँ सेंकने के लिए

III. माँ ने किसपर नहीं रीझने की बात की है?
   i. अपनी प्रशंसा पर
   ii. अपने चेहरे पर
   iii. प्रेम पर
   iv. पानी पर

IV. स्त्री जीवन के बंधन क्या हैं?
   i. वस्त्र और आभूषण
   ii. शब्दों का भ्रम
   iii. कन्यादान
   iv. आग

V. **लड़की जैसा नहीं दिखना** से क्या तात्पर्य है?
   i. कोमलता को अपनी ताकत बनाना
   ii. अपनी कमजोरी दिखाना
   iii. लड़की नहीं होना
   iv. कोमलता को अपनी कमजोरी बनाना

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:
   i. सैकड़ों बार अपनी भुजाओं के बल पर पृथ्वी को जीत कर परशुराम दानस्वरूप उसे किसे देते थे ?
      a. प्रजा को
      b. ब्राह्मणों को
      c. ये सभी

d. शूद्रों को

ii. 'आग रोटियां सेंकने के लिए है, जलने के लिए नही।' -पंक्ति में माँ किस प्रकार के शोषण से पुत्री को सचेत कर रही है?

a. कार्यस्थल पर शोषण

b. बाल शोषण

c. ससुराल में शोषण

d. आर्थिक शोषण

खंड-ब वर्णात्मक प्रश्न

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में दीजिये:

i. बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के अचरज का कारण क्यों थी?

ii. 'नवाब साहब खीरे खाने की तैयारी और इस्तेमाल से थककर लेट गए'-इस पंक्ति में निहित व्यंग्य स्पष्ट कीजिए।

iii. चौराहे पर लगी मूर्ति के प्रति आपके एवं दूसरे लोगों के क्या उत्तरदायित्व होने चाहिए?

iv. लेखक के स्मृति-पटल पर उस संन्यासी के कौन-कौन से चित्र बार-बार उभरते हैं? मानवीय करुणा की दिव्य चमक पाठ के आधार पर लिखिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

i. 'कन्यादान' कविता में माँ ने बेटी को किस प्रकार सावधान किया? अपने शब्दों में लिखिए।

ii. कवि निराला के अनुसार बादल में क्या संभावनाएँ छिपी हैं?

iii. उन घटनाओं को याद करके लिखिए जब आपने अन्याय का प्रतिकार किया हो।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में दीजिये:

i. 'माता का आँचल' पाठ के आधार पर भोलानाथ के बाबू जी के पूजा-पाठ की रीति पर टिप्पणी कीजिये। आप इससे क्या प्रेरणा ग्रहण करते हैं।

ii. आज की पत्रकारिता आम जनता विशेषकर युवा पीढ़ी पर क्या प्रभाव डालती है?

iii. साना-साना हाथ जोड़ि में कहा गया है कि कटाओ पर किसी दुकान का न होना वरदान है, ऐसा क्यों? भारत के अन्य प्राकृतिक स्थानों को वरदान बनाने में नवयुवकों की क्या भूमिका हो सकती है? स्पष्ट कीजिए।

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

i. **गया समय फिर हाथ नहीं आता** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- समय ही जीवन है
- समय का सदुपयोग
- समय के दुरुपयोग से हानि

ii. **मेरे जीवन का लक्ष्य** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- जीवन में लक्ष्य की आवश्यकता
- आपका लक्ष्य क्या है?
- लक्ष्य क्यों हैं?
- बनकर क्या करेंगे?

iii. **ग्लोबल वार्मिंग** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- ग्लोबल वार्मिंग क्या है तथा कैसे होती है?
- दुष्परिणाम
- बचाव तथा उपसंहार

15. मोटर साइकिल सुविधा के लिए है-तेज चलाने, करतब दिखाने के लिए नहीं-यह समझाते हुए अपने छोटे भाई को एक पत्र लिखिए।

OR

छात्रों के लिये अधिक खेल-सामग्री उपलब्ध कराने का अनुरोध करते हुए अपने प्रधानाचार्य महोदय को प्रार्थना-पत्र लिखिये।

16. आपके शहर में **विश्व पुस्तक मेले** का आयोजन होने जा रहा है। इसके लिए एक विज्ञापन 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए।

OR

नगर में आयोजित होने वाली भारत की सांस्कृतिक एकता प्रदर्शनी को देखने के लिए लोगों को आमंत्रित करते हुए 25-50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

17. आपकी मम्मी घर पर नहीं है और आपको बाहर मित्र के घर जाना है। अपनी मम्मी को 30-40 शब्दों में संदेश लिखिए।

OR

कोरोना महामारी के दौरान लागू लॉकडाउन का पालन करने हेतु देशवासियों के लिए एक संदेश लिखिए।

CBSE Class 10 - Hindi A
Sample Paper 05 (2020-21)

Solution

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. I. (i) भाग्य को
   II. (ii) क्योंकि इसके गर्भ में अनंत रत्न हैं
   III. (iii) क्योंकि उसका मानना है कि उसने प्रयास तो किया
   IV. (ii) भाग्यवादी व्यक्ति
   V. (i) कर्मशील व्यक्ति

OR

   I. (i) संयम के बंधन के सहारे
   II. (ii) बाह्य
   III. (iii) मनुष्य में स्थित आंतरिक स्थिर भाव
   IV. (iv) क्योंकि उनकी दशा सुधारने वाले अपनी सुख सुविधा में लग गए
   V. (i) जो लक्ष्य की बात भूल गए

2. I. (i) भयानक तूफ़ान।
   II. (ii) उसके पाँवों के तले।
   III. (ii) दधीचि द्वारा हड्डियाँ दान करना।
   IV. (iv) चलना।
   V. (i) इंद्र को।

OR

   I. (i) जल में।
   II. (ii) गाँव की नवयुवतियों को।
   III. (iv) सरकार के रवैये की ओर।
   IV. (i) क्योंकि वे साधनहीन हैं।
   V. (i) गाँव के किसानों को।

3. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:
   i. (b) तीन
   Explanation: रचना की दृष्टि से वाक्य के तीन भेद होते हैं - सरल वाक्य, संयुक्त वाक्य और मिश्रित वाक्य।

ii. (b) क्रिया

Explanation: सरल वाक्य में एक कर्ता और एक क्रिया का होना आवश्यक होता है। इनमें से किसी भी एक के अभाव में वाक्य पूरा नहीं होता।

iii. (a) मिश्र वाक्य का

Explanation: आश्रित उपवाक्यों के तीन भेद होते हैं - संज्ञा उपवाक्य, सर्वनाम उपवाक्य और क्रियाविशेषण उपवाक्य।

iv. (a) संयुक्त वाक्य

Explanation: ये संयुक्त वाक्य का उदाहरण है क्योंकि इसमें दोनों ही वाक्य पूर्ण अर्थ लिए हुए हैं।

v. (a) उसने कहा कि वह कल जयपुर जाएगा।

Explanation: कि वह कल जयपुर जाएगा - संज्ञा उपवाक्य होने के कारण मिश्र वाक्य है।

4. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (a) तीन

Explanation: वाच्य के तीन भेद होते हैं -
कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य और भाववाच्य

ii. (a) कर्ता की

Explanation: कर्तृवाच्य में कर्ता की प्रधानता होती है और क्रिया कर्ता के अनुसार परिवर्तित होती है।

iii. (d) कर्मवाच्य

Explanation: कर्मवाच्य की क्रिया कर्म के अनुसार परिवर्तित होती है इसलिए कर्मवाच्य में कर्म की प्रधानता होती है।

iv. (d) कर्तृवाच्य

Explanation: इस वाक्य में' पैदल चलने' की क्रिया 'वह' कर्ता के अनुसार होने के कारण यहाँ कर्तृवाच्य है।

v. (a) कर्मवाच्य

Explanation: अज्ञात कर्ता में कर्मवाच्य होता है।

5. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (d) पद परिचय

Explanation: व्याकरण के नियमों के अनुसार ही वाक्य के लिंग, वचन, क्रिया आदि बताना ही पद परिचय कहलाता है।

ii. (b) विशेषण

Explanation: गीत की विशेषता बताने के कारण यह विशेषण है।

iii. (a) गुणवाचक विशेषण

Explanation: यहाँ 'भावुक' होना व्यक्ति का गुण होने के कारण गुणवाचक विशेषण है।

iv. (b) क्रियाविशेषण

Explanation: 'चलने' क्रिया की विशेषता बताने के कारण 'तेज़' क्रियाविशेषण है।

v. (d) भाववाचक संज्ञा

Explanation: 'दुःख' भाव होने के कारण भाववाचक संज्ञा है।

6. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:
    i. (c) श्रृंगार रस

    Explanation: प्रेम की प्रधानता होने के कारण यहाँ श्रृंगार रस है।

    ii. (c) उत्साह

    Explanation: वीर रस में उत्साह की प्रधानता होने के कारण इसका स्थायी भाव उत्साह है।

    iii. (c) रति

    Explanation: प्रेम की प्रधानता होने के कारण श्रृंगार रस का स्थायी भाव रति है।

    iv. (d) स्थायी भाव

    Explanation: विभाव, अनुभाव और संचारी भाव की सहायता से स्थायी भाव को रस रूप में परिवर्तित कर देते हैं।

    v. (d) करुण रस

    Explanation: बेटे के जाने के बाद पिता की व्याकुलता व्यक्त होने के कारण यहाँ करुण रस की प्रधानता है।

7. I. (ii) दो वर्ष
    II. (i) भारतीय सभ्यता और संस्कृति से लगाव
    III. (iv) इंजीनियरिंग की पढ़ाई
    IV. (ii) जिसेट संघ
    V. (iii) सन्यास ग्रहण करने के लिए
8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:
    i. (c) दो वर्ष

    Explanation: अपने काम के सिलसिले में हालदार साहब दो वर्ष तक उस कस्बे में से गुजरते और रोज़ मूर्ति के पास रुकते थे।

    ii. (a) मानव + ईय

    Explanation: मानव+ ईय = मानवीय

    iii. (d) ये सभी

    Explanation: ये सभी कारण मिलकर परम्परागत पादरी/संन्यासी छवि से फादर कामिल बुल्के को अलग प्रस्तुत करते हैं।

9. I. (iii) स्त्री जीवन के बंधन
    II. (iv) रोटियाँ सेंकने के लिए
    III. (ii) अपने चेहरे पर
    IV. (i) वस्त्र और आभूषण
    V. (i) कोमलता को अपनी ताकत बनाना
10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:
    i. (b) ब्राह्मणों को

Explanation: अपनी प्रतिज्ञा के कारण परशुराम ने सैकड़ों बार इस पृथ्वी को क्षत्रियों से रहित कर ब्राह्मणों को दान दे दिया था।

ii. (c) ससुराल में शोषण

Explanation: माँ पुत्री को कन्यादान के समय उसके भावी ससुराल व वहां के जीवन के प्रति सचेत कर रही है।

खंड-ब वर्णात्मक प्रश्न

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में दीजिये:
    i. बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के अचरज का कारण इसलिए थी क्योंकि वे सुबह उठकर दो मील दूर नदी में स्नान करने जाते थे | किसी भी मौसम का कोई भी असर उन्हें रोक नहीं पाता था | दोनों समय ईश्वर के गीत गाना, ईश्वर की साधना में लगे होते हुए भी गृहस्थी के कार्यों से वे कभी भी विरत नहीं हुए | प्रत्येक वर्ष गंगा स्नान के लिए जाना और संत-समागम में भाग लेना उन्होंने अंत समय तक नहीं छोड़ा |
    ii. इस कथन के माध्यम से लेखक ने नवाबी जीवन की नजाकत पर गहरा व्यंग्य किया है | इस प्रकार के लोग यथार्थ से कोसों दूर रहकर बनावटी जीवन जीते हैं | छोटी-छोटी बातों पर नखरे दिखाना ही इनकी नज़रों में रईसीपना होता है | अभावों में रहते हुए ये रईसी का दिखावा करते हैं और वास्तविकता को स्वीकार नहीं कर पाते |
    iii. चौराहे पर लगी मूर्ति के प्रति हमारे तथा अन्य लोगों के निम्नलिखित उत्तरदायित्व होने चाहिए-
        a. हमें उस मूर्ति का सम्मान करना चाहिए |
        b. मूर्ति की सुरक्षा करनी चाहिए |
        c. समय-समय पर वहाँ इस प्रकार के आयोजन करवाने चाहिए जिससे भावी पीढ़ी उनके कार्यों को जान सके |
        d. उनकी देखभाल की ज़िम्मेदारी लेनी चाहिए |
    iv. 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक'पाठ के आधार पर लेखक के स्मृति पटल पर सन्यासी फादर बुल्के के अनेक चित्र उभर कर सामने आते हैं। जो लेखक के मन मस्तिष्क पर अमिट छाप छोड़ते हैं। फादर का प्रभावशाली व्यक्तित्व- गोरा रंग,नीली आंखें, भूरी दाढ़ी, लंबा कद, सफेद चोगा उन्हें उनकी सादगी की याद दिलाता है । फादर के अंदर मानवीय गुणों का भंडार था। वह प्रेम और करुणा की सजीव मूर्ति थे। सन्यासी होकर भी संबंधों की अंतरंगता को बनाए रखते थे। प्रिय जनों के प्रति प्रेम, स्नेह,अपनत्व की भावना उनके अंदर समाई हुई थी। हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में देखने की उनकी तीव्र इच्छा थी। उन्होंने प्रयाग विश्वविद्यालय से शोध प्रबंध 'रामकथा:उत्पत्ति और विकास'की रचना की । वे सुख में शुभाशीष तथा दुख में सांत्वना के जादू भरे शब्दों से दूसरों को शांति प्रदान करने का अद्भुत गुण रखते थे। यही बातें लेखक के स्मृति पटल पर बार बार घूमती हैं।
12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:
    i. 'कन्यादान' कविता में माँ ने बेटी को सावधान किया कि लड़कियाँ दुर्बलता, सौदर्य, वस्त्र और आभूषणों के मोह में न उलझें तथा कमजोरी और स्त्री के लिए निर्धारित परंपरागत आदर्शों को न अपनाए। लड़की जैसे-गुण, संस्कार तो हों, लेकिन लड़की जैसी निरीह कमजोरी नहीं अपनानी चाहिए।
    ii. कवि निराला के अनुसार बादलों में वज्र की असीम शक्ति छिपी हुई होती है | इसी प्रकार की असीम शक्ति मनुष्य में भी छिपी हुई होती है | बादल गरजकर मानव में नवीन चेतना भर देते हैं जिससे मानव मन परिवर्तन के लिए उत्तेजित हो जाता है |

iii. मैंनें अन्याय का प्रतिकार किया है। ऐसा अवसर मेरी जिन्दगी में अपने विद्यार्थी जीवन में अपनी 8वीं कक्षा की पढ़ाई करने के दौरान आया। मुझे अपने विद्यालय के ठीक ठाक छात्र होने पर उस वर्ष की आगामी सरस्वती पूजन हेतु राशि एकत्र करने का मुख्य जिम्मा सौंपा गया था। मैंने खुशी-खुशी विभिन्न कक्षाओं में जा जाकर राशि एकत्र करनी शूरू की। जब राशि पूर्ण होने को आई तब अचानक हमारे क्लास टीचर ने मुझसे कैम्पस के अन्दर ही उचित स्थान पर सारे पैसे ले लिये और उन्होंने मुझे अब आगे चन्दा एकत्र करने के प्रभार से मुक्त कर दिया। उनका मेरे एक बच्चा होने के कारण मुझ पर विश्वास नहीं था कि यह बच्चा इस दायित्व को निभा नहीं पाएगा। मैं अन्दर ही अन्दर बहुत अधिक व्यथित हो गया। इस बात पर नहीं कि चंदा एकत्रित करने से मुझे रोक दिया गया है बल्कि इस कारण कि मुझे बच्चा समझने पर रोक दिया गया। इस कारण रो पड़ा और व्यथित हो गया। प्रतिकार के रुप में मैंने अन्य शिक्षकों और अन्य लोगों से इसके बारे में शिकायत दर्ज कराई।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में दीजिये:

i. भोलानाथ के बाबू जी रोज़ प्रातःकाल उठकर अपने दैनिक कार्यों से निवृत्त होकर नहाकर पूजा करने बैठ जाते। वे रामायण का पाठ करते। पूजा-पाठ करने के बाद वे राम-नाम लिखने लगते । अपनी 'रामनामा बही' पर हज़ार राम-नाम लिखकर वे उसे पाठ करने की पोथी के साथ बाँधकर रख देते । इसके बाद पाँच सौ बार कागज के छोटे-छोटे टुकड़ों पर राम-नाम लिखकर उन्हें आटे की गोलियों में लपेटते और उन गोलियों को लेकर गंगा जी की ओर चल पड़ते | वहां एक-एक आटे की गोलियों को मछलियों को खिलाने लगते। इससे हमें यह प्रेरणा मिलती है कि हमें सभी जीवों पर दया दिखानी चाहिए। मछलियों को आटे की गोलियां खिलाना, चींटी, गाय, कुत्ते, आदि सभी को भोजन देना चाहिए तथा सभी जीवों के प्रति प्रेम की भावना रखनी चाहिए।

ii. आज की पत्रकारिता युवा पीढी पर निम्नलिखित प्रभाव डालती है |

a. आज की युवा पीढी नए चकाचौंध से तुरत प्रभावित होती है | यदि सामने वाला व्यक्ति पश्चिमी सभ्यता से ज्यादा प्रभावित है तो स्वाभाविक रूप से वह युवा उनके रहन- सहन का वर्णन करेगा जिसका प्रभाव उसके जीवन पर भी स्वाभाविक रूप से परेगा ही |

b. इससे समाज का संतुलन बिगड़ने और आदर्शों को नुकसान पहुँचने का डर रहता है। इस तरह की पत्रकारिता युवा पीढ़ी को भ्रमित एवं कुंठित करती है। जैसा सर्वविदित है कि युवा पीढ़ी देश की रीढ़ है, उसके कमज़ोर होने से देश का संतुलन बिगड़ जाएगा युवा पत्र-पत्रिकाओं को पढ़कर चर्चित हस्तियों के खान-पान एवं पहनावे को अपनाने पर मजबूर हो जायेंगे । वे अपनी इन इच्छाओं की पूर्ति के लिए उचित-अनुचित मार्ग अपनाने में भी संकोच नहीं करेंगे । इससे दिखावा, बनावटीपने और हिंसा आदि बढ़ेगी , क्योंकि पत्रकारिता दबंग और अपराधी छवि वाले व्यक्तियों को नायक की तरह प्रस्तुत करती है।

iii. अपनी प्राकृतिक सुन्दरता के कारण कटाओ को भारत का स्विट्जरलैण्ड कहा जाता है या यों भी कह सकते हैं कि यह उससे भी कहीं अधिक सुन्दर है। इसकी यह सुन्दरता इसलिए भी विद्यमान हैं क्योंकि यहाँ एक भी दुकान नहीं है। क्योंकि दुकानें प्रदूषण फैलाने का एक जरिया बन जाती हैं। लोग सामान खरीदते और कचरे को वहीं पड़ा छोड़ देते; जिसके कारण इसकी सुन्दरता नष्ट हो जाती। दुकानदार भी इस और कोई ध्यान नहीं देते। बिखरा कचरा गंदगी को बढ़ावा देता है। जिससे अन्य सैलानियों को भी गंदगी का सामना करना पड़ता है।

भारत के अन्य प्राकृतिक स्थानों को भी इसी के समान सुन्दर बनाने के लिए नवयुवकों के द्वारा जनजागरण के कार्यक्रम

चलाए जाने चाहिए। प्रकृति का महत्व समझाया जाए जिसके माध्यम से प्राकृतिक स्थानों के महत्व को स्पष्ट किया जाना चाहिए। लोगों को यह समझाना चाहिए कि उन्हें प्राकृतिक सौन्दर्य को बर्बाद नहीं करना चाहिए अपितु प्राकृतिक संपदा का समुचित उपयोग सिखाया जाए जिससे आने वाली पीढ़ी इसका सदुपयोग कर सके।

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

i. महापुरुषों ने कहा है, "समय बहुत मूल्यवान है। एक बार निकल जाने पर यह कभी वापस नहीं आता।" वास्तव में, समय ही जीवन है। इसकी गति को रोकना असंभव है। संसार में अनेक उदाहरण हैं, जो समय की महत्ता को प्रमाणित करते हैं। जिसने समय के मूल्य को नहीं पहचाना, वह हमेशा पछताया है। इसके महत्त्व को पहचानकर इसका सदुपयोग करने वाले व्यक्तियों ने अपने जीवन में लगातार सफलता प्राप्त की। जो व्यक्ति समय मिलने पर भी अपने जीवन में कुछ नहीं कर पाते, वे जीवन में असफल रहते हैं।

जो विद्यार्थी पूरे वर्ष पढ़ाई नहीं करते, वे फेल होने पर पछताते हैं। तब यह उक्ति कि 'अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत' चरितार्थ होती है। विद्यार्थी को समय का मूल्य पहचानते हुए हर पल का सदुपयोग करना चाहिए, क्योंकि जो समय को नष्ट करता है, एक दिन समय उसे नष्ट कर देता है। महान् पुरुषों ने समय का सदुपयोग किया और अपने जीवन में सफल हुए। स्वामी दयानंद, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, मदर टेरेसा आदि इसके ज्वलंत प्रमाण हैं। अतः हमें समय की महत्ता को समझते हुए इसका सदुपयोग करना चाहिए।

ii. **मेरे जीवन का लक्ष्य**

जीवन में निश्चित सफलता के लिए एक निश्चित लक्ष्य को होना भी अत्यंत आवश्यक है। जिस तरह निश्चित गंतव्य तय किए बिना, चलते रहने का कोई अर्थ नहीं रह जाता, उसी तरह लक्ष्य विहीन जीवन भी निरर्थक होता है।

एक व्यक्ति को अपनी योग्यता एवं रुचि के अनुरूप अपने लक्ष्य का चयन करना चाहिए। जहाँ तक मेरे जीवन के लक्ष्य की बात है, तो मुझे बचपन से ही पढ़ने-लिखने का शौक रहा है, इसलिए मैं एक शिक्षक बनना चाहता हूँ। शिक्षा मनुष्य के व्यक्तित्व का विकास करती है और इस प्रक्रिया में शिक्षक की भूमिका सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण होती है।

मैं शिक्षक बनकर समाज हित में ग्रामीण क्षेत्र में नियुक्ति प्राप्त करना चाहूँगा, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छे एवं समर्पित शिक्षकों का अभाव है। एक आदर्श शिक्षक के रूप में मैं धार्मिक कट्टरता, प्राइवेट ट्यूशन, नशाखोरी आदि से बचाने हेतु सभी छात्रों का उचित मार्गदर्शन करूँगा। मैं सही समय पर विद्यालय जाऊँगा और अपना कार्य पूर्ण ईमानदारी से करूँगा। शिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए सहायक सामग्रियों का भरपूर प्रयोग करूँगा, साथ ही छात्रों को हमेशा अच्छे कार्य करने के लिए प्रेरित करूँगा। छात्रों पर नियंत्रण रखने के लिए शैक्षणिक मनोविज्ञान का अच्छा ज्ञान प्राप्त करूँगा। मुझे आज के समाज की आवश्यकताओं का ज्ञान है, इसलिए मैं इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु छात्रों को उनके नैतिक कर्तव्यों का ज्ञान कराऊँगा। अतः मेरे जीवन का लक्ष्य होगा आदर्श शिक्षक बनकर समाज की सेवा करना तथा देश के विकास में योगदान देना।

iii. वैश्विक तापमान यानी ग्लोबल वार्मिंग आज विश्व की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। इससे न केवल मनुष्य, बल्कि पृथ्वी पर रहने वाला प्रत्येक प्राणी त्रस्त है। 'ग्लोबल वार्मिंग' शब्द का अर्थ है'संपूर्ण पृथ्वी के तापमान में वृद्धि होना।' हमारी पृथ्वी पर वायुमंडल की एक परत है, जो विभिन्न गैसों से मिलकर बनी है, जिसे ओज़ोन परत कहते हैं। ये ओज़ोन परत सूर्य से आने वाली पराबैंगनी तथा अन्य हानिकारक किरणों को पृथ्वी पर आने से रोकती है। मानवीय क्रियाओं द्वारा ओज़ोन परत

में छिद्र हो जाने के कारण सूर्य की हानिकारक किरणें पृथ्वी के वातावरण में प्रवेश कर रही हैं।
परिणामस्वरूप पृथ्वी के तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण कई समुद्री तथा पृथ्वी पर रहने वाले जीव-जंतुओं की प्रजातियों के अस्तित्व पर खतरा छाया हुआ है, साथ ही मनुष्यों को भी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। यदि समय रहते ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के उपाय नहीं किए, तो हमारी पृथ्वी जीवन के योग्य नहीं रह जाएगी। इसे रोकने के लिए हमें प्रदूषण को कम करना होगा। साथ ही कार्बन डाइऑक्साइड सहित अन्य गैसों के उत्सर्जन में कमी तथा वृक्षारोपण को बढ़ावा देना होगा, जिससे प्रकृति में पर्यावरण संबंधी संतुलन बना रहे।

15. नेहरू नगर ,नई दिल्ली

२३ मार्च २०१९

प्रिय गोविन्द

सदैव प्रसन्न रहो

मुझे यह जानकर अतीव प्रसन्नता हुई कि इस बार हाईस्कूल परीक्षा में 90 प्रतिशत अंक लाने पर पिताजी ने तुम्हें मोटर-साइकिल उपहार में देकर तुम्हारी इच्छा पूरी कर दी। मेरे भाई मोटरसाइकिल की तुम्हें बहुत आवश्यकता थी,कोचिंग आदि जाने में समस्या थी | अतः पिताजी ने तुम्हारी जरूरतों को देखते हुए तुम्हारे लिए इसे खरीदा है। परन्तु इसका इस्तेमाल करते हुए तुम्हें कुछ बुनियादी बातें ध्यान में रखनी हैं अर्थात जोश में होश कायम रखना अन्यथा दुष्परिणाम हो सकते हैं।

कभी भी अपनी मोटरसाइकिल किसी अन्य को न देना अन्यथा तुम्हें हानि उठानी पड़ सकती है। हो सकता है वह तुम्हारी मोटरसाइकिल का दुरुपयोग करे किन्तु उसका खामियाजा तुम्हें उठाना पड़ेगा। हमेशा ड्राइविंग लाइसेन्स और गाड़ी के कागज साथ में रखना और हेलमेट का प्रयोग बहुत जरूरी है। कभी भी दोस्ती में तीन सवारी मत करना।
ध्यान रहे कि मोटर साइकिल सुविधा के लिए है | समय बचाने के लिए है तेज चलाने या करतब दिखाने के लिए नहीं।
तेज चलाने वाले लोग अकसर दुर्घटना कर बैठते हैं और जिससे स्वयं भी चोटिल हो सकते हैं दूसरे को भी चोट लग सकती है।
40-50 किमी प्रति घण्टा से अधिक की स्पीड पर मोटर साइकिल नहीं चलानी चाहिए। वैसे तो तुम खुद बहुत समझदार हो लेकिन समझाना मेरा कर्तव्य है उम्मीद है तुम ध्यान रखोगे।

तुम्हारा भाई

गौतम सिंह

OR

सेवा में,

प्रधानाचार्य महोदय,

राजकीय माध्यमिक बाल विद्यालय,

पालम, नई दिल्ली

विषय-अधिक खेल सामग्री उपलब्ध कराने का अनुरोध

महोदय,

जैसा कि आपको विदित है कि आगामी मास में जिले स्तर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन होने वाला है जिसमें हमारा विद्यालय भी भाग ले रहा है। हालांकि उपलब्ध साधनों से हमने अभ्यास किया है किन्तु वह पर्याप्त नहीं है ।

निवेदन है कि हमारे विद्यालय की खेल गतिविधियाँ आवश्यक निधि के अभाव में प्रभावित हो रही हैं। हॉकी, बैडमिंटन, टेबिलटेनिस, क्रिकेट के खिलाड़ियों को न तो पूरी किट विद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई है और न खेल का सामान ही आवश्यकतानुसार प्रदान किया जा रहा है | जब इस सम्बन्ध में खेल प्रशिक्षक महोदय से अनुरोध किया गया तो उन्होंने यह कहकर हाथ खड़े कर दिए कि मुझे विद्यालय से इतनी ही निधि प्राप्त हुई है। इससे अधिक चाहिए तो आप लोग प्रधानाचार्य जी से कहें।

एतदर्थ यह अनुरोध हम आपसे कर रहे हैं कि कृपया खिलाड़ियों की खेल सुविधाओं एवं सामग्री में कोई कमी न की जाए तथा खेल गतिविधियों हेतु अधिक फंड निधि की व्यवस्था की जाए ताकि आने वाली प्रतियोगिता में हम बेहतर प्रदर्शन कर सकें और विद्यालय का नाम रौशन कर सकें। हम आपके अति आभारी रहेंगे।

आशा है आप हम खिलाड़ियों के इस अनुरोध को स्वीकार करने की कृपा करेंगे।

धन्यवाद

भवदीय

विनोद कुमार

कक्षा-10

खेल प्रतिनिधि

पालछात्र सभा राजकीय माध्यमिक बाल विद्यालय , नई दिल्ली

16.

"विश्व पुस्तक मेला"

पुस्तक प्रेमियों के लिए खुशखबरी ही खुशखबरी!

आपके शहर में होने जा रहा है एक विश्व पुस्तक मेले का आयोजन

यहाँ आप पायेगें देश-विदेश की प्रख्यात पुस्तकें

इतना ही नहीं प्रतिदिन अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन भी

जिससे आप सभी जीत सकते है अपनी मनपसन्द पुस्तकें किसी भी भाषा-बोली में

मेले का आयोजन 2 नवंबर से 10 नवंबर तक

स्थान- प्रगति मैदान, दिल्ली

OR

खुशखबरी! खुशखबरी! खुशखबरी!

आपके अपने शहर में

भारतीय सांस्कृतिक एकता प्रदर्शनी

(एक भारत : श्रेष्ठ भारत)

भारत के विभिन्न राज्यों, नगरों के हस्त शिल्प, कला, व्यंजन, लोक संगीत, रीति-रिवाज, परिधान एवं जनजीवन का अनूठा संगम। इस प्रदर्शनी में आप सभी आमंत्रित है।

स्थान - दादा देव मेला ग्राउंड, पालम

समय- सायः 4 से रात्री 12 बजे तक

प्रवेश निःशुल्क

17.

संदेश

12 अक्तूबर 2020

दोपहर 1:00 बजे

प्रिय मां,

चाची जी का फोन आया था। उनको आपसे कुछ आवश्यक कार्य है आप उन्हें फोन कर लीजिएगा। मैं अपने मित्र के घर पढ़ाई के लिए जा रहा हूँ। मुझे वापस आने में विलंब हो जाएगा।

शिवांक

OR

संदेश

24 मार्च 2020

रात्रि 8 बजे

प्रिय देशवासियों कोरोना वायरस की महामारी के प्रकोप के चलते बनी आपातकाल की इस स्थिति में मैं आप सभी से निवेदन करूँगा कि अपने-अपने घरों में सुरक्षित रहें। सरकार द्वारा बनाए गए नियमों का पालन करें। केवल ज़रूरत के समय में ही घरों से बाहर निकलें। आशा है इस मुश्किल समय में आप सभी मेरा साथ देंगे।

स्वस्थ रहें, सुरक्षित रहें

नरेंद्र मोदी